अधिकतम तापमान 32.00° >> न्यूनतम तापमान 16.00° >> सूर्योदय 6:38 >> सूर्यास्त 18:01 >> डॉलर 82.72 >> यूरो 88.

दैनिक भास्कर

देश का विश्वसनीय अखबार

लखनऊ | वर्ष-07, अंक-139 | मंगलवार, 21 फरवरी 2023 | कुल पृष्ठ 12 | मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

यूपी के सात मेडिकल कॉलेज में खुलेंगें एसएनसीयू : पेज 1

जायद दलहनी फसलों में करें जैव उर्वरकों का प्रयोग

भास्कर ब्यूरो

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के क्रम में विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम दिलावलपुर विकासखंड सरवनखेड़ा जनपद कानपुर देहात में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बलबीर सिंह ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 14 अंक : 230 कानपुर, मंगलवार 21 फरवरी 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

चोट से लौटे अल्काराज ने जीता अर्जेंटीना ओपन 10

जायद दलहनी फसलों में करें जैव उर्वरकों का प्रयोग

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम दिलावलपुर विकासखंड सरवनखेड़ा जनपद कानपुर देहात में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया।

उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बलबीर सिंह ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। इस अवसर पर शिव प्रताप सिंह, अमित सिंह, अब्दुल हफीज,राकेश सिंह चौहान, अशोक सचान, रमेश सिंह सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 17 अंक 51 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, मंगलवार 21 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

7 आयरलैंड को हराकर भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

जायद दलहनी फसलों में करें जैव उर्वरकों का प्रयोग, होगा अधिक लाभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम दिलावलपुर विकासखंड सरवनखेड़ा जनपद कानपुर देहात में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बलबीर सिंह ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। इस अवसर पर शिव प्रताप सिंह, अमित सिंह, अब्दुल हफीज,राकेश सिंह चौहान, अशोक सचान, रमेश सिंह सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

मूंग में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता

जायद उर्द-मूंग उत्पादन तकनीक पर हुआ एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण

डीटीएनएन

मैथा कानपुर देहात। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम बैरी विकासखंड शिवराजपुर में एक जायद दलहन गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। दलहन वैज्ञानिक डॉ मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे-मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजातियां श्वेता, विराट, शिखा, आई पी एम 2-3,कनिका,एवं उर्द की शेखर-1,शेखर-2,आई पी यू 13-1,आई पी यू 11-2 आदि के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर उप निदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉ. मुख्तयार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं बीज प्रमाणीकरण विधि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने उर्द एवं मूंग फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। शस्य विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डी डी यादव ने किसानों को उर्वरक प्रबंधन के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि किसान भाई हमेशा दलहनी फसलों में संतुलित उर्वरक प्रबंधन अवश्य करें। डॉक्टर हरिश्चंद्र ने खाद्यान्न फसलों के बारे में किसानों को जानकारी से अवगत कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के प्रेम चंद्र जी ने की। जबकि मुख्य अतिथि उपनिदेशक बीज प्रमाणीकरण संस्था कानपुर डॉक्टर मुख्तियार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम अध्यक्ष ने किसानों से अपील की है कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ खलील खान द्वारा किया गया। इस अवसर परओम प्रकाश, विक्रमाजीत सिंह,अनुराग त्रिपाठी, दिनेश। एवं सौरभ कटियार सहित क्षेत्र के 1 सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया

प्रधान के निधन होने से रिक्त पद के लिए उपचुनाव में नामांकन के अंतिम दिवस में केवल पर्चा दाखिल हुआ। दिवंगत प्रधान के पुत्र का निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय है। बहादुरपुर के प्रधान बाबू नागर के निधन के बाद यह पद रिक्त हो गया था। उपचुनाव के लिए 19 एवं 20 फरवरी को नामांकन पत्र दाखिल करने, 21 को नामांकन पत्रों की जांच, 22 फरवरी को चुनाव चिह्न आवंटन व दो मार्च को मतदान और चार मार्च को मतगणना की तिथि घोषित की गई थी। सोमवार को अंतिम दिन दिवंगत प्रधान बाबू नागर के पुत्र छोटे नागर ने नामांकन दाखिल किया। दूसरे कोई नामांकन न होने से छोटे का निर्विरोध प्रधान बनना लगभग तय है। निर्वाचन अधिकारी पशु चिकित्सक डा. कमलेश कुमार ने बताया ने बताया कि निर्धारित तिथि को प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

गए। मलासा ब्लाक की ग्राम पंचायत हैदरपुर में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित ग्राम प्रधान पद हेतु हैदरपुर के शिवशंकर, राधा देवी, अरूण, चंद्रपाल, रूपचंद्र,कैलाश व अखिलेश ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। मलासा ब्लाक की ही ग्राम पंचायत जाफराबाद के वार्ड नंबर आठ की अनारक्षित वार्ड सदस्य पद के लिए कृष्णदत्त ने व ग्राम पंचायत गुलौली की वार्ड सात के अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के लिए

फसलों में करें जैव उर्वरकों का इस्तेमाल

संवाद सूत्र, सरवनखेड़ा : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह के निर्देश पर सोमवार को विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम दिलावलपुर विकासखंड सरवनखेड़ा में दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें किसानों को दलहनी फसलों के बारे में विस्तार से बताया गया और अधिक से अधिक जैव उर्वरक प्रयोग करने की सलाह दी गई।

दलहन जायद गोष्ठी मे जानकारी देते कृषि विज्ञानी ● सौ. डा. खलील खान

गोष्ठी मे मौजूद किसान ● डा. खलील खान

विज्ञानी डा. हरीशचंद्र सिंह ने किसानों को फसल बोवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि मिट्टी की गुणवत्ता पता चलने पर उसी हिसाब से फसल को आप बो सकते हैं इससे लाभ होगा। दलहन विज्ञानी डा. मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में जानकारी दी, मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को बताया। मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने कहा कि जैविक खाद प्रयोग करें केमिकलयुक्त खेती से दूर रहें तो अच्छा है। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से 25 प्रतिशत तक वृद्धि होती है।

इस अवसर पर डा. अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे मेंविस्तार से जानकारी दी व किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डा. मुख्त्यार सिंह ने बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने किसानों को उड़द, मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बलबीर सिंह ने की। शिव प्रताप सिंह, अमित सिंह, अब्दुल हफीज, राकेश सिंह चौहान, अशोक सचान, रमेश सिंह रहे।

WORLD खबर EXPRESS
WORLD खबर एक्सप्रेस
कानपुर

जायद दलहनी फसलों में करें जैव उर्वरकों का प्रयोग, होगा अधिक लाभ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज विश्वविद्यालय के दलहन अनुभाग द्वारा ग्राम दिलावलपुर विकासखंड सरवनखेड़ा जनपद कानपुर देहात में एक दलहन जायद गोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर म वैज्ञानिक डॉ हरीश चंद्र सिंह ने किसानों को फसल बुवाई पूर्व मृदा परीक्षण के बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।दलहन वैज्ञानिक डॉक्टर मनोज कटियार ने दलहन फसलों जैसे मूंग, उर्द आदि की उन्नतशील प्रजातियों के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। उन्होंने मूंग की उन्नतशील प्रजाति श्वेता, विराट, शिखा, कनिका के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को जैविक खाद प्रयोग करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दलहनी फसलों में जैव उर्वरकों जैसे राइजोबियम कल्चर के प्रयोग करने से पचीस प्रतिशत तक वृद्धि होती है। इस अवसर पर डॉ अरविंद कुमार श्रीवास्तव ने फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।तथा किसानों द्वारा पूछे के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया। इस अवसर पर बीज प्रमाणीकरण संस्था के उपनिदेशक डॉ मुख्त्यार सिंह ने किसान भाइयों को बीज उत्पादन तकनीक एवं पंजीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दें। उन्होंने किसानों को उर्द मूंग के महत्व एवं उसकी तकनीतियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बलबीर सिंह ने की। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई तकनीकों को अपनाएं जिससे हुए अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकें। इस अवसर पर शिव प्रताप सिंह, अमित सिंह, अब्दुल हफीज,राकेश सिंह चौहान, अशोक सचान, रमेश सिंह सहित क्षेत्र के एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण कानपुर 21/02/2023

आलू की बंपर पैदावार, भंडारण में होगी मारामारी

- मौसम अनुकूल रहने से प्रति हेक्टेयर 15 प्रतिशत तक बढ़ गई पैदावार
- बीते साल करीब एक करोड़ 60 लाख मीट्रिक टन हुआ था उत्पादन

जासं, कानपुर: कानपुर क्षेत्र की आलू बेल्ट में इस बार आलू की बंपर पैदावार होने के आसार हैं। कृषि विज्ञानियों के अनुसार इस बार आलू उत्पादन के सभी रिकार्ड टूट सकते हैं। इसकी बड़ी वजह है कि आलू की फसल इस बार झुलसा व अन्य रोगों से मुक्त रही। जनवरी में हुई ठंड और फरवरी की गर्मी ने आलू को पूरी तरह विकसित होने का मौका दिया। आलू की गुणवत्ता भी इस बार अच्छी रहेगी। इससे किसानों को प्रसंस्करण उद्योगों से अच्छा समर्थन मिल सकता है, लेकिन आलू की अच्छी फसल का खामियाजा किसानों को भंडारण समस्या के तौर पर भुगतना पड़ सकता है।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञानियों ने आलू की फसल का सर्वे करने के बाद सकारात्मक रिपोर्ट दी है। जनवरी और फरवरी माह का मौसम आलू फसल उत्पादन के लिए बेहद शानदार रहा है। कृषि विज्ञानी अनुमान लगा रहे हैं कि इस बार 10 से 15 प्रतिशत तक प्रति हेक्टेयर अधिक उत्पादन मिलेगा। कानपुर मंडल में पिछले साल 63,199 हेक्टेयर में आलू बोया गया था और उत्पादन 17,48,776 मीट्रिक टन रहा। कुल 5,60,925 हेक्टयेर क्षेत्रफल में बोए गए आलू से 1,59,43,225 मीट्रिक टन का उत्पादन मिला था। कानपुर में पिछले साल 13 हजार हेक्टेयर में आलू बोया था, इस बार 16 हजार हेक्टेयर में आलू है। 15 से 20 लाख मीट्रिक टन उत्पादन बढ़ने की संभावना है।

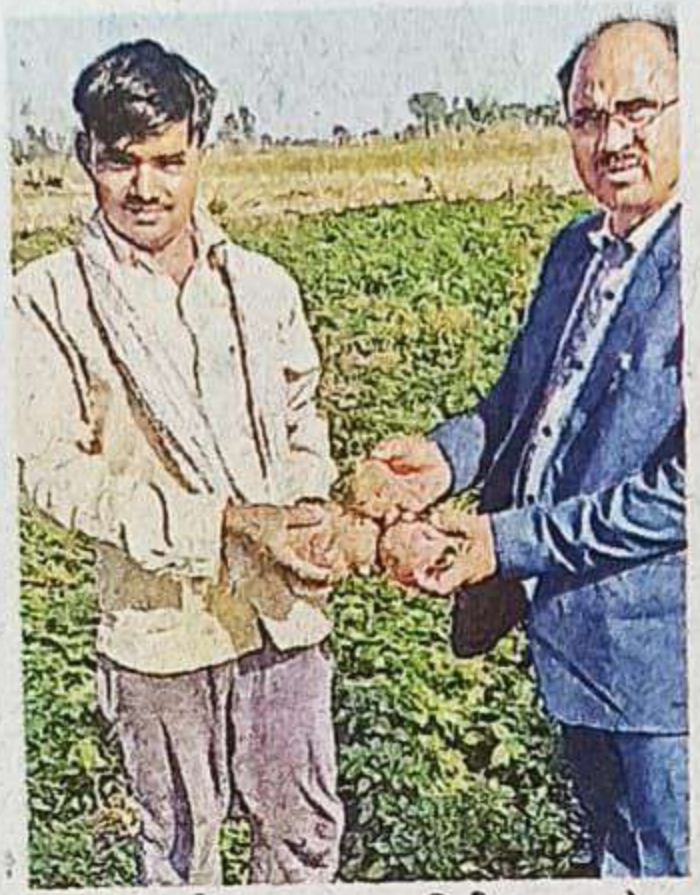

खेत में तैयार नए आलू का निरीक्षण करते कृषि विज्ञानी डा. अजय यादव ● संस्थान

विश्वविद्यालय क्षेत्र के जिलों कन्नौज, मैनपुरी, कानपुर, कानपुर देहात में आलू फसल का निरीक्षण किया है। फसल पूरी तरह स्वस्थ है। इस बार फसल रोग मुक्त रही, झुलसा रोग की शिकायत नहीं मिली। जनवरी-फरवरी का मौसम भी अनुकूल रहा। इससे उत्पादन 10 से 15 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है।

डा. अजय कुमार यादव, कृषि विज्ञानी, सीएसए

आलू भंडारण के समय हो सकती है समस्या

उद्यान निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में आलू भंडारण के लिए कुल शीतगृहों की संख्या 2400 है। इस बार नए शीतगृहों को भी लाइसेंस मिला है, लेकिन अगले महीने संचालन शुरू होने के बाद ही तय होगा कि भंडारण क्षमता कितनी बढ़ी है। अगर क्षमता उत्पादन के मुकाबले कम रही तो आलू भंडारण में समस्या हो सकती है। उद्यान विभाग के अधिकारियों का दावा है कि प्रदेश में आलू की खपत अधिक है। इसके साथ ही दूसरे राज्यों में भी आलू भेजा जाता है।